

Padma Shri



SHRI NARENDRA CHANDRA DEBBARMA (POSTHUMOUS)

Shri Narendra Chandra Debbarma, the President of the Indigenous Peoples Front of Tripura was a well-known politician.

2. Born on 28th August, 1942 in Khowai District of Tripura, Shri Debbarma completed graduation from University of Calcutta in the year 1962. He did Government Service in the Food & Civil Supplies Department and All India Radio. He retired as Station Director, All India Radio, Agartala, on 31st August 2002. During his govt. service life, he was associated with Tripura Tribal Employees Association also known as “Tripura Upajatikarmachari Samiti”, an Affiliated Organization of All India Federation of SC & ST, Backwards and Minorities Employees Welfare Association of New Delhi. He served as President of the “Tripura Upajatikarmachari Samiti” and actively participated for the welfare of Tribal Karmacharis.

2. Shri Debbarma was also a writer and wrote several books on Central govt. concern of illegal land acquisition and its direction to state govt. of Tripura Autonomous State as per Article 244(A) of constitution and why it is necessary, Towards Greater Autonomy, Takhumsabodol(Balaka) -a translation of Rabindranath Tagore Balaka poems in Kokborok Language, Koklam (A handbook of spoken Kokborok) published by Directorate of Research, Department of Welfare for Sch. Tribes and Sch. Castes, Government of Tripura, Role of folk literature and culture in human civilization as a contribution of write up for Centenary Celebration of Kokborok language of the state held during 22nd Dec to 24th Dec-2000. He also contributed in publishing of Book on Customary laws of the Tripuris, Jamatia, Mogs and Reangs of Tripura with special reference to their land holding system as a Research Officer

3. After retirement, Shri Debbarma also served as Addl. Chief Executive Officer, Tripura Tribal Areas Autonomous District Council (TTAADC). In 2008 he contested State Assembly Election from 18 Charilam (ST) Assembly Constituency from Indigenous Nationalist Party Of Tripura (INPT) party but lost the election. In 2009 he floated a new tribal party namely Indigenous Peoples Front of Tripura (IPFT) with new vision and Ideology of “Tripura Land” constituting the TTAADC area, a separate state for better governance and development of Indigenous peoples of Tripura residing mostly in TTAADC areas. In the year 2018, under his leadership BJP & IPFT Alliance Government in Tripura was formed. In the new government he was sworn in as State cabinet Minister of Revenue and later on also given the portfolio of Forest Minister. He was Minister from 9 March 2018 to 1 January 2023. He was easily accessible to public and served for betterment of every section of the society and people of Tripura.

4. Shri Debbarma passed away on 1st January, 2023.



श्री नरेंद्र चंद्र देबबर्मा (मरणोपरांत)

श्री नरेंद्र चंद्र देबबर्मा इंडिजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा के अध्यक्ष और सुप्रसिद्ध राजनीतिज्ञ थे।

2. 28 अगस्त, 1942 को त्रिपुरा के खोवाई जिले में जन्मे, श्री देबबर्मा ने 1962 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग और आकाशवाणी में सरकारी सेवा की। वह 31 अगस्त, 2002 को आकाशवाणी, अगरतला के केंद्र निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त हुए। अपने सरकारी सेवकाल के दौरान, वह त्रिपुरा जनजातीय कर्मचारी संघ से जुड़े हुए थे, जिसे "त्रिपुरा उपजाति कर्मचारी समिति" के रूप में भी जाना जाता है, और यह संघ नई दिल्ली के ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ एससी एंड एसटी, बैकवर्ड्स एंड माइनॉरिटीज एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन का एक संबद्ध संगठन है। उन्होंने "त्रिपुरा उपजातिकर्मचारी समिति" के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और जनजातीय कर्मचारियों के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से भाग लिया।

2. श्री देबबर्मा एक लेखक भी थे और उन्होंने, संविधान के अनुच्छेद 244 (क) के अनुसार अवैध भूमि अधिग्रहण की केंद्र सरकार के सरोकार और त्रिपुरा स्वायत्त राज्य सरकार को इसके निर्देश और यह क्यों जरूरी है, अधिक स्वायत्तता की ओर, तखुमसाबोडोल (बालक)—कोकबोरोक भाषा में रवींद्रनाथ टैगोर की बालक कविताओं का अनुवाद, अनुसंधान निदेशालय, त्रिपुरा सरकार के जनजाति और जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रकाशित कोकलम (बोली जाने वाली कोकबोरोक की एक पुस्तिका), 22 दिसंबर से 24 दिसंबर, 2000 के दौरान आयोजित राज्य की कोकबोरोक भाषा के शताब्दी समारोह के लिए लेखन योगदान के रूप में मानव सभ्यता में लोक साहित्य और संस्कृति की भूमिका जैसी अनेक पुस्तक लिखीं। उन्होंने एक अनुसंधान अधिकारी के रूप में, भूमि जोत प्रणाली का विशेष संदर्भ देते हुए, त्रिपुरा के त्रिपुरा के त्रिपुरी, जमातिया, मोग्स और रियांगों के प्रथागत कानूनों पर पुस्तक के प्रकाशन में भी योगदान दिया।

3. सेवानिवृत्ति के बाद, श्री देबबर्मा ने त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में भी कार्य किया। 2008 में उन्होंने इंडिजिनस नेशनलिस्ट पार्टी ऑफ त्रिपुरा (आईएनपीटी) पार्टी की ओर से 18 चारिलाम (एसटी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से राज्य विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन चुनाव हार गए। 2009 में उन्होंने टीटीएएडीसी क्षेत्र को शामिल करते हुए "त्रिपुरा भूमि", बेहतर शासन के लिए एक अलग राज्य तथा अधिकतर टीटीएएडीसी क्षेत्र में रहने वाले त्रिपुरा के स्थानीय लोगों के विकास की नई दृष्टि और विचारधारा के साथ एक नई पार्टी इंडिजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) की स्थापना की। वर्ष 2018 में, उनके नेतृत्व में त्रिपुरा में भाजपा और आईपीएफटी गठबंधन सरकार का गठन किया गया था। नई सरकार में उन्हें राज्य के कैबिनेट राजस्व मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई और बाद में उन्हें वन मंत्री का दायित्व भी सौंपा गया। वह 9 मार्च 2018 से 1 जनवरी 2023 तक मंत्री रहे। उनसे जनता बेरोक-टोक मिल सकती थी और वह समाज के हर वर्ग और त्रिपुरा के लोगों की बेहतरी के लिए सेवा करते थे।

4. श्री देबबर्मा का 1 जनवरी, 2023 को देहावसान हो गया।